हूंकार री कलंगी

"यां मरैठां तो पूरो घोभ्यो घाल राख्यो है।" उदैपुर रा मे' लां में राणाजी मूंडा बैठ्या परधान रे साम्हा झांकता बोल्या। वांरा ललाट पै चिंता रा सळ पड़ग्या। आंख्या में ऊंडा ऊंडा भाव भरग्या।

"घोभ्यो कांई घाल राख्यो है, अन्दाता, सारी मेवाड़ तबाह व्हेयगी। लूट मार सिवाय ये तो कांई करै ही नीं, गांवां में वासदी लगाता आगै बढै।" कनें बैठ्यो एक जणो बोल्यो।

"असी दूरसता तो बादसावां रा अर मुसलमानां रा हमला सूं ही कोयनी व्ही जसी यां मराठां रा उतपात सूं व्हेगी है। वे लड़ता तो ढंग सूं हा, ये तो जांणै कै तो वासदी लगाणो, कै लूटणो।" दूजे जणै हूंकारो भर्‌यो।

राणाजी रा मूंडा ऊपरला भाव और गंभीर व्हेग्या।

मराठां री फोज मेवाड़ ने बाळती, लूटती आगै बढ री ही जिण सूं मुकाबलो करणै री त्यारी रा सल्लासूत व्हेय रिया। रात आधी परी गी पण सोबा रो यो वगत थोड़ो ही हो। खास खास काम करण्यां आदमियां ने बुलाय, बन्दोबस्त री सलाह व्हेय री।

" खजाना में रिपियो नीं, रात दिन रा कस्टां अर हमला सूं लोगां में भय अस्यो जमग्यो के मराठां रो नाम सूणतां ही गांव खाली कर कर मिनख भाग जावै। रजपूत पै'लां सरीखा जोरदार रिया नीं जो छाती पै हाथी रा दांतां रा धमाका झेलै।" परधान जी सारी हालत पै गौर कर समझावता बोल्या।

कनें बैठ्यो एक सरदार तड़फ्यो, "रजपूत कांई रिया कोयनी? कदे ही पाछा रियां व्हां तो बतावो। बेटी रा बापां! गाजर मूळी ज्यूं माथा कटाय रियां हां। पूरा पूणा दोयसो बरसां सूं मेवाड़ पै हमला व्हेता आय रिया हैं। पै'लां मुसलमान अर अबै ये मराठा। रात दिन रा जुद्धां सूं म्हारां घरां री कांई दसा व्ही है जो गांवां में पधार'र देखो तो खबर पड़ै। एक एक घर में दस दस रांडां बैठी है।"

राणाजी ऊंचो माथो कर ठिमरास सूं बोल्या, "धरती रा धणी वाजै जांने तो गाजर मूळी ज्यूं माथा कटावणां ही पड़ै। धणी बणणों सोरो कोयनी। बाप दादां री पींढयां री पींढयां ई भोम री इज्जत अर मान सारू काम आई, वीं भोम ने या धाड़ायतियां रा हाथां सूं लूटवा देणी के? लुगायां रा माथा री ओढण्यां खैंचवा देणी

के? बैठ्या बहस करणी है के काम करणो? बोलो, सारा जणां भेळा व्हीया हो, कांई कांई बन्दोबस्त करणो?

एक पल सारूं सारा चुप व्हेग्या। छाती पै चढ़ी थकी विपदा रो भीसणं रूप सारां री आंख्या आगै आयग्यो। कठै कतरी तोषां लगाणी। कीनें फोज मुसाहिब बणावणों, रिपिया अर धान रो परबध कठा सूं अर किण तरह करणों, फोज भेळी करणी, सारी बातां पै विचार व्हेल लाग्यो।

मेवाड़ रा सारा सरदारां रे नाम हुकम लिख्यो गियो।

"सारा सरदार आप री पूरी जमीत अर पूरा ससतरां सूधी उदपुर हुकम पोंचतां ही हाजर व्हे जावै। देर नीं करै।" हुकम रे ऊपरै राणाजी आप रा दसगतां सूं दो ओळां लिखी, "जो हाजर नीं व्हेला वीं री जागीर एकदम जब्त करली जावैला। कांई तरै री रियायत कोनी होसी। देस री विपद री वेळा में हाजर नीं व्हेणों हरामखोरी मानी जासी।"

सवारां ने हुकम रा कागद दे दोड़ाय दीधा।

कोसीथळ रा कामदार रा हाथ में सवार जाय हुकम पकड़ायों, रसीद पाई कराई। बांच्यो, बांचतां ही कामदार रो मूंडो उतरग्यो। कोसीथळ चूंडावतां री छोटी सी जागीर ही। वठा रा ठाकर दो तीन बरस पै'लां एक झगड़ा में काम आयग्या। दो बरस रा टाबर ने छोड़ग्या। ठिकाणां में नैनपण! राणाजी रो यो करड़ो हुकम!! भगवान चोखी बणाई!!!

टाबर ठाकर, री मां ई बाळक माथै आसां रा दीवा जोवती, आपरो रडापो काट री।

कामदार जनानी डोढी पै जाय अरज कराई, "माजी साब ने अरज करो, जरूरी बात अरज करणी है।"

डावड़ी जाय कहय्यो, "ठिकाणै रा कामदार फोजदार डोढी पै ऊभा है। आप सूं मूंडामूंड बात करबा ने हाजर व्हेवा री कै है।"

माजी री छाती धड़ धड़ करवा लागी, "फेर कोई नवो दुख तो नी आयग्यो।"

डावड़ी ने कह्यो, "बारणा पै पड़दो बांध दे, वांने मांयने बुलाय ला।"

बेटा री आंगळी पकड़, पड़दा रे सारै मांयने ऊभी व्हेयगी। कामदार फोजदार, मुजरो कर पड़दा सूं बारै ऊभा व्हेग्या। हाथ लांबो कर राणाजी रं हुकम रो कागद पड़दा में माजी ने झेलायो।

Scanned by CamScanner

"अबै?" बांचतां ही माजी रा मूंडा सूं कोरा दो अक्खर हीज निकळ्या। "अं
आप हुकम दो जो ही करां। ठाकरसा तो पूरा पाच बरस रा ही कोयनी व्हीया, चाक
में लेर जावा तो किस तरै ले जावां।"

माजी री नजर आंगळी पकडने ऊभा बेटा री काळी काळी भोळी भौळी आंख
सूं जाय टकराई। मां री ममता जाग गी। रूं रूं ऊभी व्हेग्यो, छाती में दूध उतरव
रो सो सरणाटो आयग्यो। लारै रो लारै "जो हाजर नीं व्हेला वींरी जागीर जब्त करजे
जासी" हुकम री ओळां बळबळता खीरा री नांई आंख्यां आगै चमकगी।

मन में एक साथै कतरा ही विचार आयग्या। "जागीर जब्त हो जासी? म्हारे
बेटो बाप दादां रा राज बाहिरो व्हे जावैलो। वीं री पांच भायां में कांई इज्जत रैवैला
वीं रै बाप नीं रिया पण म्हूं तो हूं। म्हारे जीवतां जीव बेटा रो हक छूटै धिरकार है
म्हारे मिनख जमारा पै। म्हूं असी खोड़ली हूं कांई जो पीढ़्यां री भोम ने गमाय दूं
म्हारा वंस पै दाग नीं लागै?"

दीरी आंख्यां रे आगै एक तसवीर सी आयगी जांणै वींरो जवान बेटो ऊभो है
सगा परसंगी रोळ में मोसो मार रिया हैं, "ये लड़ाई में नीं पधारय्या सा जो कोसीथळ
ने राणाजी खोस लीधी। हें हें हें! यां चूंडावतां ने आपरी वीरता रो घणों घमंड है।"
दूजे ही पल दांतां री कटकटय्यां भींचता बेटा रो नीचो माथो, नीची नजर व्हेती लगी
दीखी।

माजी रा माथा में चक्कर आयग्यो। जवान व्हीयां बेटो ई मां ने जतरो धिक्का
थोड़ो। वांने याद आयगी आपरे बाप रां मूंडा सूं सुणी जूनी का'ण्यां, लुगायां कसी
कसी वीरता सूं झगड़ा कीधा। अरे ईंज खानदान में पत्ताजी चूण्डावत री ठुकराणी
अकबर री फोज सूं लड़ी, गोळियां री रीठ बजाय दीधी। पछै म्हूं क्यूं नीं जावूं?

ई विचार सूं वांरा हालता मन में थिरता आयगी। नेत्र चमकग्या। जीव सोरो
व्हेग्यो। घणां ठिमरास सूं पड़दा री आड में सूं बोली, "धणियां रो हुकम माथा पै
करो, जमीत री त्यारी करो। घोड़ां, आदमियां ने त्यार होण रो हुकम दो।"

"वो तो ठीक है। पणी घणी बिना फोज कसी?"

"क्यूं? म्हूं हूं के धणी। म्हूं जावूं ला।"

"आप?" अचम्भा सूं कामदार अर फोजदार दोवां रा मूंडा सू एक साथ है
निकळग्यो।

"हां म्हूं। अचम्भा री कांई बात है। थांरे ईंज घराणा में कतरी ठुकराणियां लड़ा
में झूंझी है के नीं? थां कस्या जांणो कोयनी? म्हूं कोई अणूती बात कर री हूं के

पत्ताजी री मां अर वांरी ठुकराणी अकबर सूं लड़ता लड़ता मरय्या के नीं? म्हूं ही
वारा हीज घराणां में आई हूं। म्हूं क्यूं नीं जावूं?"

जमीत सजगी। नंगारा पै कूंच रो डंको पड़य्यो। निसाण री फर्रियां खोल दीधी। पाखर घल्यो घोड़ो आय ऊभी व्हीयो। माथै टोप, जिरह बख्तर रा काळा लोह सूं ढंक्या हाथ बेटा री कवळी कंवळी बांहां ने पकड़ गोद में उठावा ने आगै व्हीया। टाबर सहमग्यो। बोली तो मां सरीखी अर यो अजब भेख रो आदमी कुण। गालां रे होठ अड़ातां अड़ातां मां री पलकां आली व्हेगी, "बेटा, यो सब थारे वास्तै, थारी इज्जत वास्तै।"

एक ठंडी सांस रे साथै वांरा होठ हाल्या।

आगै आगै घोड़ा पै भालो भळकावतो फोज रो मांझी अर लारै लारै सारी जमीत उदैपुर आय हाजरी में नामों मंडायो, "कोसीथळ रा फलाणसिंघ चूंडावत मय जमीत रे हाजर।।"

हमलो व्हीयो। हड़ोल चूंडावतां री। हमलो करै तो पै'लां हड़ोल वाळा ही आगै बढै अर सत्रुवां रो हमलो झेलै तो ही हड़ोल पै ही जोर आवै। सिंधु राग गावण लाग्या। हड़ोल रे अधबीचै, चूंडावतां रा पाटवीं सळूबर रावजी ऊभा व्हे बोल्या, "मरदां! दुसमणां पै घोड़ा ऊर दो। मर जाणों पण पग पाछो नीं देणों। या हड़ोल में रैवा री इज्ज़त, आंपां पीढ़्यां सू निभाय रिया हां, आज ई आपणी जिम्मेदारी ने पूरी निभावजो, देस सारू मरणों अमर व्हेणो है। हां, खैंचो लगामां।"

एक हाथ सूं लगाम खैंची दूजा हाथ में तरवारां तुलगी।

हड़ोल वाळा रा घोड़ा उड़य्या जारे भेळै माजी घोड़ा ने उड़ायो। खचाखच सरु व्ही। तरवारां रा बटका वहेण लाग्या अर माथां रा झटका।

माजी रो तरवार ही पळाका लेय री, एक जणां पै तरवार री वार कीधो, वीं फुरती सूं सवार ने ढाल पै झैल पाछो भालो मारय्या जो पांसळी ने पोवतो लगो बारै निकळग्यो। माजी री रान छूटगी साथै रे साथै घोड़ा सूं नीचै ढळकग्या।

सांझ पड़ी। झगड़ो बन्द हुयो। खेत सभाळवा लाग्या। घायला ने उठाय उठाय पाटा पीड़ करवा लाग्या। लोह री टोप सू बारै केस लटक रिया। पाटो बांधवा ने हाथ लगायो तो देखै लुगाई। वठै रा वठै ठबक्या रैयग्या।

"या कुण अर क्यूं?"

राणाजी ने अरज व्ही,

"घायला में एक लुगाई पूरा वीर भेस में मिली। नाम पतो पूछा तो बतावै नीं।"

Scanned by CamScanner

राणाजी गिया। लोह री टोप नीचै गज गज लांबा केस लटक रिया, लोयां भरय्या चिपक रिया।

"सांच सांच बतावो नाम ठिकाणों। छिपावो मत दुसमण व्होला तो ही म्हूं थां आदर करूं। म्हारे बेन ज्यूं हो।"

"कोसीथळ ठाकर री मां हूं अन्दाता" माजी बोल्या।

"हैं! राणाजी अचम्भा सूं कूदय्या। थां लड़ाई में क्यूं आया?"

"अन्दाता रो हुकम हो। जो लड़ाई में हाजर नीं व्हे जींरी जागीर जब्त जावेला। म्हारे टाबर छोटो हैं। हाजर नीं व्हेणो मालकां री अर मेवाड़ री हरामखो व्हेती।"

करुणां अर गुमान रा आंसूं राणाजी रे आंख्यां में छलक गिया। "धन्न है थां राणाजी गद्‌गद् व्हेग्या। "यो मेवाड़ बरसां सूं आन राख रियो जो थां जसी देवि रो परताप है। थां देवियां म्हांरो अर मेवाड़ रो माथो ऊंचो कर राख्यो है। जठा त असी मांवा है जतरै आपां रो देस पराधीन कोनी व्हे।"

ईं वीरता री एवज में, थांने इज्जत देणों चावूं, बोलो थां ही बतावो, जो थां इच्छा व्हे।"

माजी सोच में पड़ग्या, कांईं मांगै, कोई इच्छा व्हे तो मांगै।

वांरी आंख्यां आगै बेटा री वे काळी काळी भोळी भोळी आंख्या फिरगी। मां ममता झटको खाय जागगी।

"अन्दाता राजी हो अर मरजी हीज है तो कोई असी चीज बगसावो जांसूं म्हा बेटो पांचां में ऊंचो माथो करनै बैठै।"

"हूंकार री कलंगी थांने बगसी जो थांरो बेटो ही नी पींढय्या लग या कलंगी ऊंची माथो कर थांरी वीरता ने याद रखावैला।"

Scanned by CamScanner